

Gewinn-Anzeige.

In der 5. Classe 59. K. S. Landeslotterie erhielt meine Collection nachstehende Gewinne:

2000 Thlr.	Nr. 28828	2000 Thlr.	Nr. 46718
1000 =	= 15	1000 =	= 31062
1000 =	= 392	1000 =	= 40047
1000 =	= 7507	1000 =	= 43559
1000 =	= 10265	1000 =	= 57737
1000 =	= 17805	1000 =	= 57800
1000 =	= 28819	1000 =	= 64314
400 Thlr.	Nr. 132	400 Thlr.	Nr. 28609
400 =	= 140	400 =	= 29920
400 =	= 2340	400 =	= 40088
400 =	= 10230	400 =	= 40462
400 =	= 13951	400 =	= 43571
400 =	=	400 =	= 44905

200 Thlr.	Nr. 36	200 Thlr.	Nr. 10263	200 Thlr.	Nr. 21492	200 Thlr.	Nr. 38248
200 =	= 176	200 =	= 13908	200 =	= 26196	200 =	= 40466
200 =	= 1487	200 =	= 14650	200 =	= 28864	200 =	= 40493
200 =	= 2401	200 =	= 15157	200 =	= 30476	200 =	= 43553
200 =	= 7201	200 =	= 18431	200 =	= 38247	200 =	= 70112

à 100 Thaler:

Nr. 81	96	165	190	197	214	252	360	391	393	1419	2427	2429	6543	6595	6772	7242																																							
7503	7510	7526	7561	10224	10259	10262	10293	12700	13905	13910	13912	13947	13964	14649	15161	15244	15255	15272	15275	17860	18460	18477	19568	21055	21490	26109	26129	26162	26176	26185	28812	29948	31059	31061	34251	34270	38242	40066	40459	40485	43527	46709	46716	46760	51102	51144	52265	52273	52289	57727	57729	58729	58784	58791	58796

Gewinne à 65 Thlr.

Nr. 1	2	5	6	10	12	19	20	23	26	27	28	33	45	48	50	55	57	60	67	69	70	73	75	78	80	82	83	87	89	94	99	100	103																							
104	106	107	109	110	116	117	121	131	143	144	145	151	152	154	155	158	159	160	162	168	171	174	175	180	182	183	188	198	201	202	207	211	212	213	218	219	221	230	243	244	245	260	266	269	270	273	279	286	287	289	292	293	299	351	354	356

359	362	363	365	367	369	370	377	380	381	382	395	397	399	401	402	407	416	417	418	422	428	433	434	446	1447	1454	1457	1458	1461	1462	1468	1475	1482	1483	1484	1488	1498	1500	2301	2312	2313	2316	2318	2332	2333	2334	2335	2338	2341	2344	2356	2358	2363	2365	2370	2373	2374	2375	2404	2406	2407	2410	2413	2414	2424	2425	2437	2440	2444	2445	2446	2452	2455	2456	2464	2465	2467	2470	2476	2479	2480	2481	2483	2486	2487	2488	2495	2497	2498	2500	5877	5880	6508	6512	6516	6521	6524	6530	6538	6539	6541	6542	6546	6552	6553	6556	6558	6560	6562	6567	6568	6569	6570	6572	6573	6574	6758	6759	6760	6764	6767	6770	6771	6781	6782	6786	6787	6788	6790	6795	6796	7207	7208	7209	7212	7213	7214	7215	7220	7221	7223	7228	7230	7240	7243	7244	7245	7248	7249	7506	7512	7525	7527	7529	7531	7532	7533	7536	7537	7540	7544	7559	7568	7572	7573	7576	7580	7581	7594	7595	10202	10205	10206	10208	10215	10217	10218	10223	10227	10228	10229	10231	10232	10233	10235	10237	10238	10241	10244	10245	10254	10257	10266	10274	10275	10280	10283	10287	10294	10298	10299	10300	12676	12679	12685	12686	12687	12689	12696	13907	13909	13915	13920	13922	13925	13927	13930	13933	13937	13940	13942	13948	13949	13954	13956	13967	15102	15107	15108	15112	15115	15121	15131	15132	15134	15143	15146	15147	15149	15154	15158	15160	15164	15166	15178	15186	15187	15190	15193	15199	15201	15205	15208	15209	15210	15216	15217	15218	15219	15220	15222	15245	15246	15247	15256	15259	15260	15261	15262	15263	15264	15265	15270	15280	15281	15284	15285	15293	15294	17814	17818	17819	17821	17822	17823	17828	17832	17834	17837	17838	17841	17843	17846	17847	17849	17850	17854	17855	17857	17858	17859	18402	18413	18418	18419	18421	18422	18423	18426	18429	18432	18433	18436	18438	18440	18442	18450	18457	18458	18461	18468	18470	18478	18479	18487	18488	18491	18494	18497	18916	18918	19503	19506	19509	19510	19513	19515	19522	19527	19533	19536	19538	19542	19543	19544	19545	19546	19547	19548	19549	19550	19551	19552	19553	19554	19555	19556	19557	19558	19559	19560	19561	19562	19563	19564	19565	19566	19567	19568	19569	19570	19571	19572	19573	19574	19575	19576	19577	19578	19579	19580	19581	19582	19583	19584	19585	19586	19587	19588	19589	19590	19591	19592	19593	19594	19595	19596	19597	19598	19599	20942	20943	20944	20999	30451	30452	30453	30454	30455	30456	30457	30458	30459	30460	30461	30462	30463	30464	30465	30466	30471	30472	30473	30474	30475	30489	30491	30493	30499	31006	31007	31008	31012	31013	31015	31019	31020	31021	31022	31027	31028	31030	31031	31036	31041	31045	31055	31063	31066	31071	31073	33871	33872	33873	33881	33885	33890	33893	33895	33896	33898	34201	34202	34203	34204	34211	34214	34220	34221	34223	34226	34229	34233	34239	34245	34248	34249	34252	34254	34255	34262	34265	34266	34267	34273	34275	34278	34288	34295	34299	35674	38207	38210	38212	38214	38228	38229	38234	38240	38243	40005	40008	40012	40014	40020	40021	40023	40024	40025	40027	40030	40032	40033	40035	40042	40043	40048	40051	40052	40058	40061	40063	40064	40065	40066	40067	40068	40069	40070	40071	40072	40073	40074	40075	40076	40077	40078	40079	40080	40081	40082	40083	40084	40085	40086	40087	40088	40089	40090	40091	40092	40093	40094	40095	40096	40097	40098	40099	40100	40101	40102	40103	40104	40105	40106	40107	40108	40109	40110	40111	40112	40113	40114	40115	40116	40117	40118	40119	40120	40121	40122	40123	40124	40125	40126	40127	40128	40129	40130	40131	40132	40133	40134	40135	40136	40137	40138	40139	40140	40141	40142	40143	40144	40145	40146	40147	40148	40149	40150	40151	40152	40153	40154	40155	40156	40157	40158	40159	40160	40161	40162	40163	40164	40165	40166	40167	40168	40169	40170	40171	40172	40173	40174	40175	40176	40177	40178	40179	40180	40181	40182	40183	40184	40185	40186	40187	40188	40189	40190	40191	40192	40193	40194	40195	40196	40197	40198	40199	40200
-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------

Die Auszahlung der Gewinne beginnt mit dem Erscheinen der gedruckten Gewinnliste gegen Rückgabe der Gewinnlosse 5. Classe. Lose zur 1. Classe 60. Lotterie (Ziehung am 17. Juni 1861) empfehle in $\frac{1}{2}$, $\frac{1}{4}$ und $\frac{1}{8}$ hiermit beizugeben. Dresden, den 1. Mai 1861.

J. F. Barthold,
Schreibstube 15.

New-York & Erie-Eisenbahn.

Somit den nicht bezugsfähigen 7% Bonds, rückfällbar 1862, 1870 und 1875, wie den Actien (shares) steht die Vertheilung an dem bekannten Reorganisationsplan nur noch bis 29. Juli 1861 in New-York, als Bedingung für den Fall, wenn die Reorganisation der Bahn selbst, nach den gesetzlichen Bestimmungen bis 31. December 1861 durchgeführt sein muß. Besitzer von Bonds oder Shares-Certificaten wollen specieller Aufschluß bei uns in Empfang nehmen.

Heinr. Küstner & Co., Leipzig.

Madison & Indianapolis-Eisenbahn.

Da die am 1. Mai 1861 rückfälligen 7% Bonds erster Priorität von der Compagnie nicht heimgekauft werden, so fordern wir die uns unbekannt gebliebenen auf, sich zur Geltendmachung der Ansprüche und Rechte mit uns zu vereinigen.

Heinr. Küstner & Co., Leipzig.

Die Molken- u. Bade-Anstalt Kreuth

im bairischen Hochgebirge wird am 1. Juni eröffnet.

Es werden, wie bisher, Schwefel-, Sool- u. Molkenbäder, Ziegenmilch und frische Pflanzensäfte verabreicht und befinden für alle Bedürfnisse festgesetzte Preise. Besichtigungen beliebe man an die Badeinspektion Kreuth einzulassen, wofür auch die gedruckten Spangens gratis zu haben sind. Tegernsee, den 31. März 1861.

Seiner Königl. Hoheit des Prinzen Karl von Bayern Güter-Administration.

Wasserheilanstalt zu Liebenstein

am Thüringerwalde Eisenbahnstation **Immelborn.**
Mein in diesem Jahre bedeutend erweitertes Privat-Etablissement bietet Kranken, welche ein Wassercur, Molken- oder diätetische Cur gebrauchen wollen, alle hierzu und für die täglichen Lebensbedürfnisse nöthigen Einrichtungen.
Ziegenmilch liefert von Mitte Mai an die hiesige Molkenanstalt.
Dr. Martiny, Herzogl. Badearzt.

Stahl-Bad Schandau

im Mittelpunkte der sächsischen Schweiz.
Am 16. May d. J. wird auch in diesem Jahre die Saison zur Bade- und Trinitar in dem wegen seiner ausgezeichneten Lage sowohl, als seiner vortheilhaften Heilwirkungen wegen weit berühmten **Bade Schandau**, wieder ihren Anfang nehmen.
Gewohnt einzelne oder mehrere freundliche und gesunde Privatwohnungen sind stets im Kur-Parc (Hotel zum Bade) zu vermieten. Nähere Nachricht ertheilt auf postfreie Anfragen die **Direction des Bades Schandau.**
Carl Pauli, Badbesitzer. **Dr. Petrenz, Badearzt.**

Zur Lieferung edler reiner **Frankenweines, Stein und Leisten**, aus den Kellern des R. Schlosses, des Julius- u. St. Hof-Opitals empfiehlt sich die **Palmsche Buchhandlung in Wargburg.**

Tageskalender.

Mittwoch, den 1. Mai.
R. Hoftheater.
Die weibliche Schilbung. Wiederholung in einem Act nach dem von R. Friedrich. Musik von G. Stieglitz. Hierauf: **Hans und Hans.** Schilbung in einem Act nach dem von R. Friedrich. Musik von G. Stieglitz. **Am Schluß: Der Kurwäcker und die Picarone.** Schilbung in einem Act von G. Stieglitz. **Der Hof-Opital.** Schilbung in einem Act von G. Stieglitz. **Der Hof-Opital.** Schilbung in einem Act von G. Stieglitz. **Der Hof-Opital.** Schilbung in einem Act von G. Stieglitz.

Familien-Nachrichten.
Hebammen: In Dresden: Fr. Scherer, Fr. Th